University in News on 23 January 2020

NBT Page 6

बदलेगा पेपर पैटर्न, घर बैठे मिलेगी मार्कशीट

एलयू: संवाद कार्यक्रम में वीसी ने दी पीजी स्टूडेंट्स को जानकारी

■ एनबीटी, लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के स्टूडेंट्स को रिजल्ट से लेकर मार्कशीट के लिए कैंपस में इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा। यह सुविधा घर बैठे ही स्टूडेंट्स को मिलेगी। विवि प्रशासन अब रिजल्ट से लेकर मार्कशीट घर पर ही डाक के माध्यम से उपलब्ध करवाए। इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए 20 से 25 रुपये शुल्क देना पड़ेगा। यह जानकारी बुधवार को वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने संवाद कार्यक्रम के दौरान पीजी के स्टूडेंट्स को दी।

विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में संवाद कार्यक्रम के दूसरे दिन वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने यूजी और पीजी के प्रश्न पत्र के पैटर्न में भी बदलाव करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले निरीक्षण के दौरान पीजी के प्रश्न पत्र देखे तो सुखद नहीं हुई। उसमें ऐसे प्रश्न पूछे गए थे मास्टर लेवल के नहीं थे, इसलिए तय किया है कि पेपर में बदलाव किया जाए। पीजी में विश्लेषणात्मक और यूजी में अवधारणात्मक स्तर के प्रश्न शामिल किए जाएंगे। इससे स्टूडेंट्स में समझ विकसित होगी।

तय होगी समय सीमा

वीसी ने कहा कि कई मार्कशीट में नाम की स्पेलिंग या अंकों की गड़बड़ी होती है, जिसे ठीक कराने के लिए स्टूडेंट्स कैंपस के चक्कर लगाते हैं। आगे ऐसा न हो, इसके लिए हर काम की समय सीमा तय की जाएगी।

हर विभाग का होगा अकैडमिक ऑडिट

एलयू के सभी विभागों को संबंधित कोर्स की स्थिति, छात्र और फैकल्टी के साथ संसाधन सहित सभी चीजें बतानी होंगी। इससे यह पता चलेगा कि किस विभाग में कितने छात्र पढ़ सकते हैं और शुरू कर दिया जाता है, लेकिन कक्षा कम क्या कमियां हैं, क्योंकि कई बार कोर्स तो नहीं होते।

एलयू के मालवीय सभागार में वीसी ने कई बदलावों की भी जानकारी दी।

सेंट्रल प्लेसमेंट सेल और इनोवेशन सेंटर

एलयू में जल्द ही एक सेंट्रल प्लेसमेंट सेल के साथ सभी विभागों में एक प्लेसमेंट सेल भी बनेगा। इसके अलावा एक आंत्रप्रेन्योरशिप डिवेलमेंट सेल और इनोवेशन सेंटर भी बनाया जाएगा।

'वाई-फाई की मिले सुविधा'

संवाद कार्यक्रम से पहले वीसी ने पीजी छात्रों को अपने समस्या रखने का मौका दिया। सबसे पहले फाइनेंशियल लाइन के छात्र ने छात्र संघ बहाली का मुद्दा उठाया। कहा कि 15 साल से इस पर रोक लगी है, इसे बहाल किया जाए। लगर संस्कृत की छात्रा ने कोर्स को टेक्नोलॉजी से जोड़ने की बात उठाई। वहीं, एक अन्य छात्रा ने एलयू में कई-कई सुविधा न मिलने की शिकायत की। इसके अलावा फॉरेनेक्स लाइन की छात्रा ने पढ़ाई के लिए वक्त सम न होने और फैकल्टी कम होने की बात कही। इस पर वीसी ने समस्याओं का समाधान भी पूछा। साथ ही सभी समस्याओं का तत्काल निस्तारण करने का आश्वासन दिया। वहीं, छात्रा अन्य त्रिपाठी ने लाइब्रेरी की समस्या बताई तो उसका भी समाधान करने का आश्वासन दिया। साथ ही लाइब्रेरी कमिटी का सदस्य बनने के लिए डीएसडब्लू को निर्देश दिए।

छात्रों से बोले वीसी...

- हर छात्र 26 जनवरी को एक पौधा लगाएं और उसे गोद लें।
- पीजी छात्र यूजी के छात्रों के अभिभावक बनें और उन्हें करियर के प्रति गाइड करें।
- छात्र एलयू के साथ मिलकर 'मेरा विश्वविद्यालय मेरी पहचान अभियान' शुरू करें।
- रेगुलर क्लास में पढ़ने जाएं।
- अल्मनाई असोसिएशन के लिए सक्रिय हों।

Hindustan Page 7

परास्नातक छात्रों के साथ संवाद में कुलपति ने की घोषणा,

घर भेजी जाएगी मार्कशीट पेपर के पैटर्न में भी बदलाव

लखनऊ विवि

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्र को अब मार्कशीट या डिग्री के लिए चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। यह उनके घर पहुंचेगी। अच्छी बात यह है कि यह मार्कशीट भी लैमिनेटेड होगी। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बुधवार को परास्नातक छात्रों के साथ हुए संवाद में इसकी घोषणा की।

कुलपति ने बताया कि इसके लिए पोस्टल डिपार्टमेंट से बात शुरू हो गई है। कुलपति-छात्र संवाद के दूसरे दिन बुधवार को प्रो. आलोक कुमार राय ने परास्नातक छात्रों से बात की। मालवीय सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र पहुंचे। शुरुआत छात्रों की समस्याओं के साथ की गई।

विश्लेषणात्मक होगा पीजी का पेपर: कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि परास्नातक के पेपर पैटर्न में काफी बदलाव किया जाएगा। उन्होंने प्रस्ताव रखा कि परास्नातक स्तर में प्रश्न-पत्र विश्लेषणात्मक एवं स्नातक स्तर पर प्रश्नपत्र अवधारणात्मक होना चाहिए। अभी कई विषयों में ऑब्जेक्टिव सवाल पूछे जाते हैं। कुलपति ने बताया कि परीक्षा विभाग से जुड़े सभी समस्याओं को

हरियाली बचाएं

कुलपति ने छात्रों से पौधारोपण करने के साथ-साथ एक पेड़ को गोद लेने की अपील की। साथ ही, विभाग स्तर पर पूर्व छात्रों के साथ एक समन्वयक स्थापित करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि यह पूर्व छात्र ही उन्हें भविष्य में बेहतर विकास करने में मदद कर सकेंगे। इसके लिए विभाग स्तर पर छात्रों को पूर्व छात्र समिति बनाने की भी सलाह दी।

सभी विभागों का एकेडमिक ऑडिट होगा

विश्वविद्यालय जल्द ही सभी विभागों का एकेडमिक ऑडिट कराया जाएगा। इस दौरान विभाग में संचालित पाठ्यक्रम और उनकी स्थितियों का मूल्यांकन होगा। कुलपति ने बताया कि कुछ विभागों में संचालित पाठ्यक्रमों की स्थिति बेहद खराब है। 30 सीट के मुकाबले 5-6 प्रवेश लिए गए हैं। ऐसे सभी पाठ्यक्रमों का मूल्यांकन होगा। अगर, पिछले कई वर्षों से यह स्थितियां हैं तो उनके लिए विशेष कार्ययोजना तैयार की जाएगी।

Amar Ujala-My City Page 5

लविवि अगले माह से तीन सुविधाएं करेगा ऑनलाइन

माई सिटी रिपोर्टर

माइग्रेशन, डुप्लीकेट अंकपत्र व सत्यापन के लिए नहीं लगाने पड़ेंगे परिसर के चक्कर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में अगले माह से डुप्लीकेट अंकपत्र, माइग्रेशन और अंकपत्र सत्यापन के लिए परिसर के चक्कर नहीं लगाने होंगे। अंकपत्र सत्यापन के बाद उसकी रिपोर्ट विवि की वेबसाइट पर भी अपलोड करने की सुविधा होगी ताकि अभ्यर्थियों को इसकी सूचना मिल सके। परीक्षा विभाग इस पर काम कर रहा है। पहले चरण में सिर्फ तीन सुविधाओं को इससे जोड़ा जा रहा है। अगले चरण में अन्य सुविधाएं इसमें शामिल होंगी।

लखनऊ विश्वविद्यालय में सभी सुविधाएं ऑनलाइन हैं, लेकिन अब भी परीक्षा विभाग से संबंधित कामों के लिए परिसर के चक्कर काटने होते हैं। इसको देखते हुए परीक्षा विभाग भी ऑनलाइन प्रक्रिया से जुड़ रहा है। छात्र सुविधा के लिए अगले महीने से विवि प्रशासन तीन कामों के लिए ऑनलाइन व्यवस्था शुरू कर रहा है। विद्यार्थी को इसके लिए परिसर नहीं आना होगा। छात्र-छात्राएं विवि की वेबसाइट पर माइग्रेशन, अंकपत्र में संशोधन या डुप्लीकेट अंकपत्र और सत्यापन के लिए आवेदन कर सकेंगे। इन कामों के लिए अगर विद्यार्थी को कोई प्रमाणपत्र उपलब्ध कराना है तो आवेदन के बाद एक तारीख दी जाएगी। इस तारीख को विद्यार्थी अपना प्रमाणपत्र लेने के साथ ही जरूरी कागजात जमा करेगा।

कई साल से हो रहा है दावा

विवि में ऑनलाइन सुविधा का दावा पिछले कई साल से किया जा रहा है। शैक्षिक सत्र 2013-14 की शुरुआत पर लविवि की वेबसाइट का नए सिरे से निर्माण शुरू हुआ। दावा किया गया था कि विश्वविद्यालय की वेबसाइट बनने के बाद स्टूडेंट्स को अपनी डिग्री और प्रोविजनल के लिए एलयू के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। वेबसाइट के माध्यम से स्टूडेंट्स कहीं से भी डिग्री के लिए आवेदन कर सकेगा और लविवि उसकी डिग्री तैयार कर देगा। इसके बाद दो बार विवि की वेबसाइट अपडेट की जा चुकी है। परीक्षा, फीडबैक, एडमिशन, आईक्यूएसी, स्टूडेंट लॉगइन जैसे पोर्टल भी बन चुके हैं, लेकिन लविवि अब तक डिग्री और प्रोविजनल सर्टिफिकेट के लिए ऑनलाइन व्यवस्था शुरू नहीं कर पाया था। उम्मीद जताई जा रही है कि इस बार यह काम हो जाएगा।

> अगले महीने से विद्यार्थियों के लिए परीक्षा विभाग तीन नई सुविधाएं शुरू करने जा रहा है। डुप्लीकेट अंकपत्र, माइग्रेशन तथा अंकपत्र सत्यापन के लिए वे-ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। जल्द ही अन्य सुविधाएं ऑनलाइन की जाएंगी। **-डॉ. अंजनी कुमार मिश्रा, परीक्षा नियंत्रक, लविवि**